web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 16 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 227

महत्वपूर्ण एवं खास

बंदरों ने मचाया उत्पात तो गुड़ में जहर देकर खिलाया, करीब 40 की मौत से मचा हड़कंप

हापुड़ (आरएनएस)। यूपी के हापुड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में करीब 40 बंदरो की मौत हो गई है। ये मामला गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर चौधरी का है। इतनी बड़ी संख्या में बंदरो की मौत से वन विभाग में हडक़ंप मच गया है। आशंका जताई जा रही है कि बंदरों को गुड़ में जहर देकर मारा गया है। वहीं बंदरों की मौत की खबर सुनते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंच गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बंदरों की बात करें तो हापुड़ में बड़ी संख्या में बंदर है। हर गली और मोहल्ले में बंदरों का उत्पात देखने को मिल जाता है। वहीं गांवों में भी अब बंदरों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस कारण बंदर के द्वारा काटे जाने के मामले भी तेजी से आ रहे हैं। हर दिन जिला अस्पताल में कई लोग रेबीज के इंजेक्शन लगवाने के लिए पहुंचते हैं। बंदरों के उत्पात से बचने के लिए लोगों ने घरों की छतों पर लोहे के जाल तक लगवा रखे हैं, लेकिन बंदरों का आतंक कम नहीं हुआ। बंदर अब सडक़ पर भी उत्पात मचाते नजर आ जाते हैं।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 2016 से अडानी समूह की जांच का आरोप गलत

नई दिल्ली(आरएनएस)। बाजार नियामक सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि यह आरोप कि वह 2016 से अदानी समूह की जांच कर रहा है, 'तथ्यात्मक रूप से निराधार' है। सेबी ने यह भी आगाह किया कि रिकॉर्ड पर पूरे तथ्य सामग्री के बिना मामले का कोई भी गलत या समय से पहले निष्कर्ष न्याय के उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा और कानूनी रूप से अस्थिर होगा। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शीर्ष अदालत में पेश एक हलफनामे में कहा, यह आरोप कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड 2016 से अदानी की जांच कर रहा है, तथ्यात्मक रूप से निराधार है। इसने आगे कहा, सेबी द्वारा समय के विस्तार के लिए आवेदन का मतलब निवेशकों और प्रतिभूति बाजार के हित को ध्यान में रखते हुए न्याय सुनिश्चित करना है, क्योंकि रिकॉर्ड पर पूर्ण तथ्यों के बिना मामले का कोई भी गलत या समय से पहले निष्कर्ष निकाला जाएगा। न्याय के उद्देश्य को पूरा नहीं करेगा, और इसलिए यह कानूनी रूप से अस्थिर होगा। सेबी ने कहा, न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों की जांच के संदर्भ में, सेबी पहले ही अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति आयोगों के संगठन (आईओएससीओ) के साथ बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमएमओयू) के तहत ग्यारह विदेशी नियामकों से संपर्क कर चुका है। 12 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह अदानी समूह की कंपनियों पर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के आसपास के विवाद की जांच पूरी करने के लिए सेबी को तीन महीने का और समय दे सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने कहा कि सेबी अपनी जांच पूरी करने के लिए अनिश्चित काल तक लंबी अवधि नहीं ले सकता है और हम उन्हें छह महीने नहीं देने जा रहे हैं, हम उन्हें तीन महीने देते हैं। 29 अप्रैल को, सेबी ने अदानी समूह द्वारा स्टॉक हेरफेर के हिंडनबर्ग आरोपों की जांच पूरी करने के लिए छह महीने के विस्तार की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

मुंबई के रिहायशी इलाके में गैस लीक के बाद लगी भीषण आग, 6 लोग बुरी तरह झुलसे

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई में खार के कोलीवाड़ा के एक रिहायशी इलाके में सोमवार को गैस रिसाव से भीषण आग लग गई, जिसमें दो नाबालिगों सहित कम से कम छह लोग बुरी तरह झुलस गए। बीएमसी आपदा नियंत्रण ने ये जानकारी दी। घनी आबादी वाले खार-डांडा स्थित एक आवास में सुबह करीब 8.45 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिससे भारी दहशत फैल गई, जिसके बाद पुलिस, दमकल और बचाव को मौके पर बुलाया गया। वे 30 मिनट के भीतर आग पर काबू पाने और बुझाने में कामयाब रहे। कम से कम छह लोगों – एक ही परिवार के चार लोगों को दुर्घटना स्थल से बचाया गया और बांद्रा पश्चिम में भाभा अस्पताल ले जाया गया। उनकी पहचान इस प्रकार है : सखुबाई जायसवाल (65), सुनील जायसवाल (29), प्रियंका जायसवाल (26), प्रथम जायसवाल (6), निकिता मांडलिक (26) और यशा चव्हाण (7)।

दर्दनाक : ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, मासूम समेत एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

बलौदा बाजार (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब एक पिकअफ की ट्रक से टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में एक मासूम सहित एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 20-25 लोग घायल भी हो गए हैं। यह दर्दनाक हादसा गोदा पुल पर हुआ। पलारी पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। हादसे के वक्त करीब एक दर्जन लोग पिकअप में सवार थे। दोनों गाडिय़ां गलत दिशा से आ रही थीं।

बलौदा बाजार में हुए इस हादसे में पांच महिलाओं और एक मासूम की मौत हो गई है। यह हादसा जिले के पलारी पुलिस थाना इलाके के गोडा पुलिया के पास हुआ है। पिकअप सवार लोग छठी कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे, तभी एक

तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में 20 से 25 लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रकट किया गहरा दुख- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाजार जिले में थाना पलारी क्षेत्र में गौड़ा पुलिया के पास बीती रात ट्रक और पिकअप की टक्कर में 6 लोगों की मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता और घायलों को इलाज की बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटना में घायलों को बलौदाबाजार रिफर किया गया है।

सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौत, एक गंभीर

❐ **एक की बाइक से गिरकर तो दूसरी की पोल से टकराकर हुई मौत**

बांदा (आरएनएस)। अलग-अलग सडक़ हादसों में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अतर्रा थाना क्षेत्र के खम्हौरा गांव निवासी रमेश (27) पुत्र रामसनेही रविवार की रात अपने मौसेरे भाई मुन्ना (23) पुत्र शारदा निवासी साधौपुर के साथ अतर्रा कस्बे से सब्जी खरीद कर बाइक पर गांव लौट रहा था। झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाइवे अतर्रा थाना क्षेत्र के इंजीनियरिंग कालेज के समीप बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतर्रा में भर्ती कराया। युवकों के पास से मिले मोबाइल नंबर पर घरवालों को जानकारी दी। खबर पाकर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनो को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उपचार होने से पहले ही महेश ने दम तोड़ दिया। मुन्ना का इलाज किया जा रहा है। मृतक मजदूरी करता था। उधर, बिसंडा थाना क्षेत्र के बिलगांव निवासी संजय (22) पुत्र राजा वर्मा रविवार की शाम बाइक से पेस्टा गांव जा रहा था। गांव के अंधे मोड़ के पास अचानक बाइक का अगला पहिया पंक्चर हो गया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे पीएचसी बिसंडा में भर्ती कराया। वहां उपचार होने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक के छोटे भाई शनि ने बताया कि संजय वापी (गुजरात) में रहकर मजदूरी करता था। वह दो वर्ष से घर पर ही रह रहा था। उसकी शादी भी अलिहा गांव में तय हो गई थी।

'द केरल स्टोरी' पर विवाद : जम्मू में मेडिकल छात्रों के दो गुट आपस में भिड़े, कई स्टूडेंट घायल

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में 'द केरल स्टोरी' फिल्म को लेकर सोमवार को छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प की खबरों के बीच पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छात्रावास के अंदर 'द केरल स्टोरी' फिल्म को लेकर छात्रों के दो समूह आपस में भिड़ गए, जिसमें कुछ छात्रों को चोटें आईं। पुलिस ने कहा, जीएमसी हॉस्टल जम्मू में कुछ छात्रों और बाहरी लोगों के बीच हाथापाई की घटना हुई है। मामले का संज्ञान लिया गया है और जांच जारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि झड़प जम्मू-कश्मीर के बाहर किसी घटना को

लेकर बहस के बाद हुई। इस मामले को लेकर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र सरकार हिंसा और सांप्रदायिक आग भडक़ाने वाली फिल्मों को प्रोत्साहित कर रही है और उन्हें बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अपने तुच्छ चुनावी लाभ के लिए भाजपा द्वारा निर्दोषों का खून बहाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अनुरोध है कि जीएमसी जम्मू मामले में संज्ञान लें और दोषियों को सजा दिलाएं।'

सैन्य विषयों पर चर्चा करेंगे भारतीय सेना प्रमुख व मिस्र के कमांडर इन चीफ

नई दिल्ली (आरएनएस)। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे अगले 2 दिन के दौरान मिस्र के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ से एक महत्वपूर्ण मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में दोनों देशों के सेना प्रमुख रक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि भारत और मिस्र के सैन्य संबंध एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मिस्र के राष्ट्रपति इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी थे। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, 16 से 17 मई 2023 को मिस्र की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान, सेना प्रमुख मेजबान देश के वरिष्ठ

सैन्य नेतृत्व से मुलाकात करेंगे, जहां वे भारत-मिस्र रक्षा संबंधों को आगे ले जाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। वह मिस्र के विभिन्न सशस्त्र बलों के प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेंगे और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

भारतीय सेना प्रमुख, मिस्र के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ, रक्षा और सैन्य उत्पादन मंत्री और मिस्र के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ बातचीत करेंगे। वह मिस्र के सशस्त्र बल ऑपरेशन्स प्राधिकरण के प्रमुख के साथ व्यापक विचार-विमर्श भी करेंगे।

भारतीय रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मिस्र के साथ भारत के सैन्य संबंध बढ़ रहे हैं, जो भारत के 74 वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान स्पष्ट दिखा था। इस परेड में मिस्र के सशस्त्र बलों के एक दल ने अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देह फतह अल-सीसी इस परेड के मुख्य अतिथि थे। भारतीय और मिस्र की सेनाओं के विशेष बलों ने इस वर्ष जनवरी में 'एक्स सायक्लोन-वन' नाम का पहला संयुक्त अभ्यास किया था।

रक्षा मंत्रालय का मानना है कि थल सेनाध्यक्ष की यात्रा दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करेगी और रणनीतिक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ समन्वय और सहयोग के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी।

अकोला में धारा 144, नागपुर में हाई अलर्ट- आगजनी-तोड़फोड़ में 4 पुलिसकर्मी जख्मी; हिंसा की आग में झुलस रहा महाराष्ट्र

अकोला (आरएनएस)। महाराष्ट्र में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। अकोला जिले में हुई हिंसा के बाद अब अहमदनगर के शेवगांव में तनाव की स्थिति बन गई है। वहीं नागपुर जिले में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। नागपुर जिले के संवेदनशील इलाकों में पुलिस पैनी नजर रख रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो के साथ बैठक के बाद कमिश्नर ने सशस्त्र पुलिस की गश्त और शांति बिगाडऩे वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश जारी किया। शेवगांव में धार्मिक जुलूस के दौरान भडक़ी हिंसा में उपद्रवियों ने पुलिस पर भी जमकर पत्थर बरसाए, जिसकी वजह से 4 पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। अब तक 32 लोगों को हिरासत में लिया गया है। यहां स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है। फिलहाल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

अहमदनगर के शेवगांव हिंसा मामले में 5 लोग घायल हो गए, जिसमें 2 पुलिसकर्मी, 2 होमगार्ड और 1 स्थानीय शख्स घायल हुआ है। साथ ही उपद्रवियों के पास से धारदार हथियार बरामद हुए हैं। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए एक स्क्रक्कस्न, एक दंगा नियंत्रण पथक और 250 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। 8 वाहनों में भी तोडफ़ोड़ की गई है जबकि एक गाड़ी में आग लगा दी गई है।

दोनों जगहों पर उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाया है। गाडिय़ों में आग लगा दी। जमकर पत्थरबाजी हुई। अकोला में हिंसा के बाद एक शख्स की लाश भी मिली। अकोला में विवाद की वजह बेहद मामूली थी। अकोला में इंस्ट्राग्राम पर एक समुदाय विशेष के धर्मगुरु के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इसकी शिकायत लेकर काफी संख्या में लोग थाने पहुंचे थे। तभी भीड़ आक्रोशित हो गई और गाडिय़ों में आग लगानी शुरू कर दी। इसके बाद दूसरे गुट के लोग भी मौके पर पहुंचे और पत्थरबाजी करने लगे।

वहीं, पुलिस ने जब मामले को शांत कराने की कोशिश की तो उपद्रवी पुलिसकर्मियों पर भी पत्थर बरसाने लगे। हमले में कुल आठ लोग जख्मी हुए, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। अकोला के एसपी संदीप घुगे के मुताबिक, इलाके में पुलिस की कई टीमें तैनात हैं। कोई भी उपद्रव की सूचना नहीं है और स्थिति नियंत्रण में हैं।

वहीं, शेवगांव में हिंसा तब भडक़ी जब छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती का जुलूस निकाला जा रहा था। तभी यह जुलूस एक दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल के पास से गुजरा। इस दौरान जुलूस निकाल रहे युवाओं ने नारेबाजी की। तो दूसरे समुदाय के लोगों ने भी नारेबाजी की। इसके बाद बातों ही बातों में विवाद शुरू हो गया और दोनों समुदायों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई। पुलिस ने अबतक इस मामले में 31 लोगों को हिरासत में लिया है।

एनजीटी का एक्शन, पर्यावरण को क्षति पहुंचाने के मामले में 203 कारोबारियों को ठोका 300 करोड़ का जुर्माना

रांची (आरएनएस)। झारखंड के साहिबगंज जिले में पत्थरों के खनन से पर्यावरण को क्षति पहुंचाने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का अहम फैसला आया है। एनजीटी की नई दिल्ली स्थित प्रधान बेंच ने साहेबगंज के 203 पत्थर कारोबारियों पर 300 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। वहीं, 38 पत्थर कारोबारियों का सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) लाइसेंस रद्द कर दिया है। एनजीटी ने यह निर्णय सामाजिक कार्यकर्ता सैयद अरशद नसर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए किया है। इन कारोबारियों ने पत्थर खदानों के

संचालन में एनजीटी के नियमों का उल्लंघन किया है। इधर, जुर्माना और सीटीओ रद्द होने से पत्थर कारोबारियों में हडक़ंप मच गया है।

इस मामले में राहत पाने के लिए किसी कारोबारी ने हाईकोर्ट तो किसी ने एनजीटी का दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अगस्त को होगी। गौरतलब है कि अरशद नसर ने राजमहल की ऐतिहासिक पहाडिय़ों को बचाने के लिए यह याचिका दायर की है।

इसी याचिका के आधार पर एनजीटी ने पत्थर कारोबारियों पर 36 लाख से लेकर एक करोड़ तक का जुर्माना लगाया है। गौरतलब है कि पत्थर के अवैध उत्खनन से राजमहल पर्वत श्रृंखला के 12 पहाड़ अब तक गायब हो चुके हैं। अवैध खनन से यहां के पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। झारखंड के चार जिलों – दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज तक फैली 10 करोड़ वर्ष पुरानी राजमहल पर्वत श्रंखला की पहाडिय़ां हिमालय से भी पांच करोड़ साल पुरानी हैं।

हाल-ए-लाचारी : नहीं एम्बुलेंस के पैसे, पिता ने बैग में बेटे की लाश रख किया 200 किमी सफर

सिलीगुड़ी (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है जहां एक पिता को अपने मासूम बच्चे का शव एक झोले में रखकर बस से 200 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करना पड़ा। इसकी एक मात्र वजह यह थी कि गरीब पिता के पास एंबुलेंस ड्राइवर को देने के लिए पैसे नहीं थे। इस दौरान सरकारी एंबुलेंस सर्विस ने भी उनकी मदद नहीं की। इस घटना ने सभी को झंकझोर कर रख दिया है और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि शख्स विभिन्न बसों की यात्रा करके अपने घर पहुंचा। शख्स का दावा है कि उसे सरकारी एंबुलेंस नहीं मिली। प्राइवेट एंबुलेंस के लिए 8 हजार रुपए डिमांड की गई थी, लेकिन उसके पास इतने पैसे नहीं थे। इसलिए उसे ऐसा कदम उठाना पड़ा। उधर, इस मामले में अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि शख्स ने एंबुलेंस की मांग ही नहीं की। पूरे घटनाक्रम पर बीजेपी और टीएमसी आमने-सामने हो गई है।

मामला पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर जिले का बताया जा रहा है। आरोप है कि कालियागंज के डांगापात्रा गांव निवासी आशिम देब शर्मा को कुछ दिन पहले अपने जुड़वा बेटों को कालियागंज राजकीय सामान्य अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। अस्पताल ने छह महीने के जुड़वा बच्चों को रायगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां से उन्हें दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और

अस्पताल में फिर से रेफर कर दिया गया। एनबीएसीएच उत्तर बंगाल का सबसे बड़ा अस्पताल है।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गुरुवार को शर्मा की पत्नी एक बच्चे के साथ घर लौटी। हालांकि, शर्मा को वापस रहना पड़ा क्योंकि दूसरा बच्चा अभी भी भर्ती था। शनिवार शाम उस बच्चे की मौत हो गई। मीडिया से बातचीत में शर्मा ने कहा, मुझे शव-वाहन नहीं मिला और निजी एम्बुलेंस ऑपरेटरों ने 8000 रुपये की मांग की। मैं एक गरीब प्रवासी श्रमिक हूं और मैं राशि का भुगतान करने में सक्षम नहीं था। फिर मैंने अपने बेटे के शव को अपने बैग में रखा और सिलीगुड़ी से रायगंज और फिर कालियागंज बस से यात्रा की।

सिलीगुड़ी से कालियागंज की दूरी करीब 200 किलोमीटर है। शर्मा ने आगे कहा, मैंने बच्चों के इलाज पर 16000 रुपये पहले ही खर्च कर दिए थे, और मेरे पास बहुत कम पैसा बचा है। कालियागंज से एक स्थानीय भाजपा नेता ने शव को मेरे गांव ले जाने के लिए एक एम्बुलेंस किराए पर ली।

उधर, अस्पताल के अधिकारियों ने हालांकि कहा कि शर्मा ने एंबुलेंस के लिए उनसे संपर्क नहीं किया। एनबीएमसीएच के अधीक्षक डॉ संजय मल्लिक ने कहा, एनबीएमसीएच के पास अपना शव वाहन नहीं है, लेकिन अगर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार हमसे अनुरोध करते हैं, तो हम रोगी कल्याण समिति के माध्यम से इसकी व्यवस्था करते हैं. इस मामले में, हालांकि, परिवार के सदस्यों ने हमसे संपर्क नहीं किया।

शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने बाल चिकित्सा वार्ड के नर्सिंग स्टाफ से शव को एक रात के लिए रखने का अनुरोध किया था ताकि वह अगली सुबह घर लौट सकें। डॉ. संजय मल्लिक ने कहा, अगर उन्होंने हमसे संपर्क किया होता, तो शव-वाहन की व्यवस्था करने के प्रयास किए गए होते। इससे पहले जनवरी में, एक व्यक्ति अपने बेटे के साथ कथित तौर पर एक वीडियो में देखा गया था, जो जलपाईगुड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अपनी 72 वर्षीय पत्नी के शव को अपने कंधे पर ले जाते हुए वायरल हुआ था। उसने बाद में बताया था कि एंबुलेंस संचालकों द्वारा मांगे गए किराए का भुगतान करने में वह असमर्थ था। इस प्रकरण पर बीजेपी ने टीएमसी सरकार को आड़े हाथों लिया हैं। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य की स्वास्थ्य मंत्री के रूप में दोहरी भूमिका निभा रही हैं। इस बेचारे को अपने बच्चे की लाश को झोले में ढोना पड़ रहा है। उसे कोई एंबुलेंस नहीं मिली। पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सुविधा का यह हाल है। यह मामला उत्तर दिनाजपुर जिले का है। दुख की बात है, लेकिन यह पश्चिम बंगाल के सभी जिलों की वास्तविकता है।'